भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3148
दिनांक 13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राजस्थान में टेलीमेडिसिन सुविधाएं

3148. श्री हरीश चंद्र मीना:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए टेलीमेडिसिन सुविधाओं को सक्षम बनाने का विचार है और यदि हां, तो राजस्थान के सवाई माधोपुर सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और धन की कमी सहित भौगोलिक विलगाव के कारण ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सुविधा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं सीमित हैं; और
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने आयुष्मान भारत योजना के तहत नीतिगत कार्यकलाप के रूप में टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की है। इस सेवा की परिकल्पना आयुष्मान भारत के एक स्तंभ- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (पूर्ववर्ती) के तहत की गई थी, जिसे अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) के रूप में नामित किया गया है, जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या को मजबूत करने के लिए प्रमुख डिलिवरेबल्स में से एक है।

देश के दुर्गम और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली आबादी को परिचर्या सेवा केंद्र पर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता के मद्देनजर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सी-डैक मोहाली के साथ तकनीकी सहयोग में ई-संजीवनी- (राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा) विकसित की है। ई-संजीवनी डिजिटल स्वास्थ्य समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करना है। इसे दो प्रकारों (i) ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी/ आयुष्मान आरोग्य मंदिर - प्रदाता-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म, जिसे वर्ष 2019 में विकसित किया गया और (ii) ई-संजीवनी

ओपीडी - रोगी-से-प्रदाता टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म, जिसे 2020 में विकसित किया गया है, में लागू किया गया है।

यह समाधान सेवा के 'हब और स्पोक मॉडल' पर आधारित है, जहां आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्पोक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख मेडिकल कॉलेज/जिला अस्पताल डॉक्टरों (एमबीबीएस/स्पेशलिटी/सुपर-स्पेशलिटी डॉक्टर) के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

दिनांक 03 दिसंबर, 2024 तक ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से कुल 32,02,93,483 टेली-परामर्श दिए जा चुके हैं। यह सुविधा वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 4.35 लाख रोगियों को सेवा प्रदान कर रही है। ई-संजीवनी (टेलीमेडिसिन) सेवा 1,30,110 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न भौगोलिक स्थानों और विविध क्षेत्रों में स्थित 16,627 से अधिक केंद्रों में चल रही है। वर्ष 2019 में इसकी शुरुआत के बाद से 2,27,575 से अधिक डॉक्टर/पैरामेडिक्स ई-संजीवनी पहल के तहत शामिल और प्रशिक्षित किए गए हैं। सवाई माधोपुर में 118 केंद्र और 41 स्पोक कार्यशील हैं, इसके अलावा 03 दिसंबर 2024 तक 58228 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) और 896 ओपीडी ई-संजीवनी टेली-परामर्श पूरे हो चुके हैं।

देश भर में टेलीमेडिसिन सेवाओं सहित डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करने के उद्देश्य से, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य आईटी अवसंरचना मजबूत करने, मानव संसाधनों के क्षमता निर्माण और इंटरनेट/इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न पहल की हैं। आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से टेलीमेडिसिन सेवाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए स्थानीय भाषाओं में लघु वीडियो, ब्रोशर, पर्चे आदि का उपयोग शामिल है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाएं वर्तमान में 13 भाषाओं (हिंदी, कन्नड़, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी, गुजराती, असमिया, ओडिया, बंगाली, पंजाबी, उर्दू और अंग्रेजी) में उपलब्ध हैं। इन कार्यानीतिक पहलों का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करना है, जिससे पूरे भारत में ग्रामीण और दूरदराज के लोगों के लिए स्वास्थ्य परिचर्या परिणामों में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।